

Importance of chemical-free farming emphasised

PIONEER NEWS SERVICE ■

Kanpur

The third batch of a three-day professional training programme, sponsored by the United Nations Industrial Development Organisation (UNIDO), Japan, commenced at the Vegetable Section of Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T). The programme was inaugurated by Vice-Chancellor, Dr Anand Kumar Singh.

In his presidential address, Dr Singh emphasised the importance of chemical-free farming. He stated that the excessive use of agrochemicals in agriculture was polluting the soil, air and groundwater, adversely affecting the health of all living beings. Therefore, incorporating alternatives to agrochemicals along with low-input techniques into vegetable cultivation was the need of the



CEO, Mebiol Inc, Japan, Dr Hiroshi Yoshioka, being felicitated at the professional training programme at CSAUA&T

hour. Discussing the Japanese IMEC Film Farming hydroponic system, the vice-chancellor explained that it enables the successful production of high-quality cherry tomatoes using minimal water and fertilizers, and completely without agrochemicals. He further noted that the Total Soluble Solids (TSS- sweetness) level in cherry tomatoes produced by this

technique is nearly double that of conventionally grown tomatoes.

Chief Executive Officer of Mebiol Inc, Japan, Dr Hiroshi Yoshioka, expressed heartfelt gratitude to the university for organising a meaningful and well-structured training programme. He stated that using IMEC Film farming technology in protected vegetable cul-

tivation can fetch higher market prices, thereby helping to establish agriculture-based businesses. Program Director Dr PK Singh stated that the objective of the training was to enhance women's participation in the agriculture sector and promote agriculture-based economies by developing their skills. Program Coordinator Dr Rajiv explained that along with 12 lectures by scientists from various research institutions across the country, four practical exercises would also be conducted. The event was attended by the dean of the Faculty of Community Science, the director of Extension, the dean of the Horticulture Faculty along with 35 progressive farmers, entrepreneurs and research students from various districts of the state.

The vote of thanks was proposed by in charge of the Vegetable Science Section Dr Keshav Arya.



सच की अहमियत

कानपुर | सोमवार, 23 जून 2025 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित | सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

सब्जियों फसलों में रसायनों के विकल्पों तथा सीमित निवेशों वाली तकनीकों का करे समावेश



कानपुर - संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूनिडो), जापान द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण के तीसरा बैच का चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के शाकभाजी अनुभाग पर शुभारंभ हुआ जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ॰ आनंद कुमार सिंह द्वारा रसायन-मुक्त खेती के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा गया कि खेती में कृषि रक्षा

रसायनों के अत्यधिक प्रयोग ने मिट्टी, वायु एवं भूजल प्रदूषित हो रहा है जिसका सभी जीवों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है इसलिये कृषि रक्षा रसायनों के विकल्पों के साथ-साथ सीमित निवेशों वाली विधाओं का सब्जी की खेती में समावेश किया जाना वर्तमान समय की मांग है कुलपति द्वारा हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली की जापानी तकनीक आर्गैमिक फिल्म फार्मिंग पर चर्चा करते हुए बताया कि इसमें पानी एवं उर्वरकों के न्यूनतम प्रयोग करते हुए बिना किसी कृषि रक्षा

रसायनों के उच्च गुणवत्ता युक्त चेरी टमाटर का सफल उत्पादन किया जा सकता है तथा इस तकनीक द्वारा उत्पादित चेरी टमाटर के फलों में कुल घुलनशील ठोस पदार्थ (मीठापन) का स्तर सामान्य की तुलना में लगभग दोगुना है इस अवसर पर मेचीआल ईक, जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा॰ हिरोशी योशिआका द्वारा सार्थक एवं सुव्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि सब्जियों की संरक्षित

खेती में आर्गैमिक फिल्म फार्मिंग तकनीक का प्रयोग कर अधिक विपणन मूल्य प्राप्त किया जा सकता है जिससे कृषि आधारित व्यवसायों का स्थापना में मदद मिलेगी प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ॰ पीके सिंह द्वारा बताया गया कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए उनका कौशल विकास करना ही प्रशिक्षण का उद्देश्य है पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ॰ राजीव द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करते हुये

बताया गया कि देश के विभिन्न शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों द्वारा 12 व्याख्यानों के साथ-साथ चार प्रयोगात्मक अभ्यास भी कराये जायेंगे कार्यक्रम में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय, निदेशक प्रसार, अधिष्ठाता उद्यान संकाय के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 35 प्रगतिशील किसानों, युवा उद्यमियों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रभारी शाकभाजी अनुभाग डॉ॰ केशव आर्या द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दैनिक

आज का कानपुर

आव
इस स
लेख वि
लिए 2
हमे सु
शिका
वि
S 83033

सब्जियों फसलों में रसायनों के विकल्पों तथा सीमित निवेशों वाली तकनीकों समावेश करें

आज का कानपुर

कानपुर । संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूनिडो), जापान द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण के तीसरा बैच का चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के शाकभाजी अनुभाग पर शुभारंभ हुआ जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ० आनंद कुमार सिंह द्वारा रसायन-मुक्त खेती के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा गया कि खेती में कृषि रक्षा रसायनों के अत्यधिक प्रयोग ने मिट्टी, वायु एवं भूजल प्रदूषित हो रहा है जिसका सभी जीवों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है इसलिये कृषि रक्षा रसायनों के विकल्पों के साथ-साथ सीमित निवेशों वाली विधाओं का सब्जी की खेती में समावेश किया जाना वर्तमान समय



की माँग है कुलपति द्वारा हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली की जापानी तकनीक आईमेक फिल्म फार्मिंग पर चर्चा करते हुए बताया कि इसमें पानी एवं उर्वरकों के न्यूनतम प्रयोग करते हुए बिना किसी कृषि रक्षा रसायनों के उच्च गुणवत्ता युक्त चेरी टमाटर का सफल उत्पादन किया जा सकता है तथा इस तकनीक द्वारा उत्पादित चेरी टमाटर के फलों में कुल घुलनशील ठोस पदार्थ (मीठापन) का स्तर सामान्य की तुलना में लगभग

दोगुना है इस अवसर पर मेबीआल इंक, जापान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा० हिरोशी योशिआका द्वारा सार्थक एवं सुव्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि सब्जियों की संरक्षित खेती में आईमेक फिल्म फार्मिंग तकनीक का प्रयोग कर अधिक विपणन मूल्य प्राप्त किया जा सकता है जिससे कृषि आधारित व्यवसायों का स्थपना में मदद मिलेगी

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ० पीके सिंह द्वारा बताया गया कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए उनका कौशल विकास करना ही प्रशिक्षण का उद्देश्य है पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ० राजीव द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करते हुये बताया गया कि देश के विभिन्न शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों द्वारा 12 व्याख्यानों के साथ-साथ चार प्रयोगात्मक अभ्यास भी कराये जायेंगे कार्यक्रम में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय, निदेशक प्रसार, अधिष्ठाता उद्यान संकाय के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 35 प्रगतिशील किसानों, युवा उद्यमियों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रभारी शाकभाजी अनुभाग डॉ० केशव आर्या द्वारा प्रस्तुत किया गया।